किस अवधि तक के लिये बढ़ाई जायेगी तथा इस संम्बन्ध में किन-किन मुख्य बातों पर ध्यान दिया गया है ;

(ग) उक्त योजना के अन्तर्गत वितरित किये जाने वाले सोने में शुद्धता का प्रतिशतता क्या होगा ; और

(घ) आभूषण निर्यातकों की प्रतिवर्ग कुल कितनी मात्रा में और कितने मूल्य का सोना वितरित किया जायेगा और इस बारे में अन्य व्यय क्या हैं ?

वाणिज्य मन्त्रालय और पूर्ति विभाग में राज्य मंत्री (श्री निहार रंजन लास्कर) : (क) से (घ) भारत सरकार ने 15 फरवरी, 1984 को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की जिसमें स्वर्ण आभूषण प्रति-पूर्ति योजना के फिर से आरम्भ करने संबंधी निर्णय की घोषणा की गई है जो पहले अगस्त, 1978 में आरम्भ की गई थी लेकिन जनवरी, 1980 में निलम्बित कर दी गई थी ।

इस नयी नीति के कार्यान्वयन के लिये विस्तृत ब्यौरों का पता लगाया जा रहा है और उनकी शीघ्र घोषणा की जायेगी ।

Overdrafts by States

4482. SHRI CHITTA MAHATA : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that some of the State Governments have asked the Centre to continue the overdraft facility for the Development of States; and

(b) if so, the details thereof and the action taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI S.M. KRISHNA) : (a) The Plan outlays of all the States for 1983-84 were fully financed by the States' own resources and Central assistance, at the time of their formulation, The States should therefore have no difficulty in financing their developmental outlay. Overdrafts arise due to temporary imbalances in the flow of receipts and the pace of expenditure. Where overdrafts are persisting, discussions have been held with the States to explore the possibility of reducing/eliminating overdrafts.

(b) Does not arise.

राज्यों द्वारा केन्द्रीय सरकार, भारतीय जीवन बीमा निगम और भारतीय रिजर्व बैंक के लिए गए ऋण की बकाया राशि

4483. **श्री रामलाल राही** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में प्रत्येक राज्य की और केन्द्रीय सरकार, भारतीय जीवन बीमा निगम, भारतीय रिजर्व बैंक से तथा सरकारी वित्तीय संस्थानों से लिये गए ऋणों की इस समय बकाया राशि का ब्यौरा क्या है; और

(ख) प्रत्येक राज्य-सरकार द्वारा उक्त संस्थाओं और बैंकों को ब्याज के रूप में कितनी धनराशि अदा की जा रही है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री एस. एम. कृष्ण) : (क) और (ख) सूचना एकत्रित की जा रही हैं और सभा-पटल पर रख दी जाएगी ।